मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 113, मुंबई, बुधवार, 16 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और
शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY amazon.in Flipkart
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

हज आवेदन रद्द

सऊदी अरब में रहने वाले 60 हजार लोग इस बार करेंगे हज यात्रा

भारतीय हज समिति ने लिया फैसला

सऊदी अरब ने नहीं दी बाहरी लोगों को यात्रा की अनुमति

संवाददाता

मुंबई। भारतीय हज समिति ने हज-2021 के सारे आवेदन रद्द कर दिए हैं। मंगलवार को समिति ने इस निर्णय की जानकारी दी। बता दें, इस साल भी कोरोना महामारी के कारण सऊदी अरब सरकार ने दूसरे देशों के श्रद्धालुओं को हज के लिए आने की अनुमति नहीं दी है। इसलिए ये आवेदन निरस्त करने के अलावा हज समिति के समक्ष कोई दूसरा चारा नहीं था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई: 12 लाख रुपये के मेफेड्रोन के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने 100 ग्राम मेफेड्रोन के साथ एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसकी कीमत अवैध बाजारों में लगभग 12 लाख रुपये है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

उस्मानाबाद में पलटा ट्रक, लोगों ने लूटा 70 लाख रुपये मूल्य का सामान

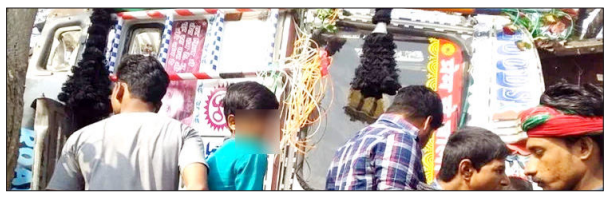

संवाददाता / उस्मानाबाद। महाराष्ट्र के उस्मानाबाद में एक ट्रक के पलटने के बाद कथित तौर पर राहगीरों और ग्रामीणों ने उसमें लदा करीब 70 लाख रुपये मूल्य का सामान लूट लिया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

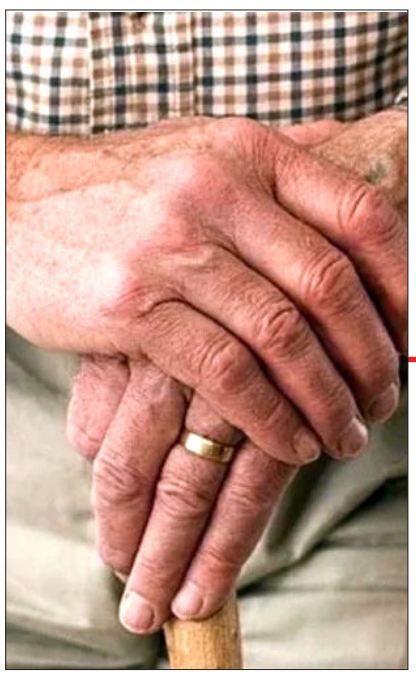

लॉकडाउन में बुजुर्गों पर बढ़ा अत्याचार

करीब 73 फीसदी ने किया दुर्व्यवहार का सामना

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच लगाए गए लॉकडाउन के दौरान लगभग 73 प्रतिशत बुजुर्गों ने दुर्व्यवहार का सामना किया। यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। 'एजवेल फाउंडेशन' ने पांच हजार बुजुर्गों की प्रतिक्रिया के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की है, जिसे विश्व बुजुर्ग उत्पीड़न जागरूकता दिवस से पहले जारी किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना वायरस के कारण अनाथ हुए बच्चों का भविष्य अधर में लटका

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक और बगावत

लोक जनशक्ति पार्टी में दिख रही फूट न केवल इस पार्टी, बल्कि भारतीय राजनीति का ऐसा पहलू है, जो दुखद भी है और विचारणीय है। इस फूट को बगावत भी कहा जा सकता है और एक पार्टी का पुनर्निर्माण भी। कोई आश्चर्य की बात नहीं, अब राजनीति में जितने भी निर्माण या पुर्निनर्माण होते हैं, वे ज्यादातर सत्तामुखी ही होते हैं। बिहार में विगत विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी की बुरी हार के बाद विरोध के स्वर स्वाभाविक थे। अगर विधानसभा चुनाव में पार्टी को चंद सीटें भी मिल जातीं, तो पार्टी नेता चिराग पासवान के दांव को बल मिलता और पार्टी को भी। विगत लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली ताकत का उत्साह विधानसभा चुनाव में कुछ ज्यादा ही प्रदर्शित हुआ। चुनावी विश्लेषण करने वालों ने पहले ही बता दिया था कि लोकसभा में मिली जीत गठबंधन का नतीजा थी, जबकि विधानसभा में मिली हार गठबंधन छोड़ने का नतीजा। बाद के दिनों में यह बिल्कुल साफ हो गया कि पार्टी में बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने को लेकर एक राय नहीं थी। कुछ दिनों तक खींचतान के बाद लोक जनशक्ति पार्टी के पांच सांसदों ने चिराग पासवान से किनारा कर लिया। छह में से पांच सांसदों की बगावत पर चिराग पासवान के चाचा पारस पासवान ने साफ कर दिया है कि सभी चाहते थे, लोजपा एनडीए के साये तले बिहार विधानसभा का चुनाव लडे, लेकिन बताते हैं, कुछ लोगों के प्रभाव में चिराग पासवान ने इसके प्रतिकूल निर्णय लिया। पूरे मन से चुनाव न लड़ने या गठबंधन छोड़कर चुनाव लड़ने का नतीजा चुनाव-परिणाम के समय तो सामने आया ही था, अब और बुरी तरह से प्रकट हुआ है। सांसदों की बगावत से सहमे चिराग अब समझौते के लिए तैयार दिख रहे हैं, लेकिन उनके चाचा मौका नहीं दे रहे। पार्टी या परिवार में अविश्वास इस कदर बढ़ गया है कि चाचा अपने भतीजे से मिलने को भी तैयार नहीं। संकेत साफ है, पार्टी में बगावत का पानी सिर के ऊपर से बह रहा है। इसमें कौन डूबेगा, कौन बचेगा, अभी कहना मुश्किल है, लेकिन राजनीति में तात्कालिक रूप से वही मजबूत नजर आता है, जिसके पास ज्यादातर संख्या बल होता है। अभी तो पारस पासवान मजबूत दिख रहे हैं, तो क्या बिहार की राजनीति में दिग्गज रहे रामविलास पासवान की विरासत उनके बेटे के बजाय भाई के पास चली जाएगी? भारतीय राजनीति में नैतिकता के पैमाने पर सोचें, तो कोई भी राजनीति में परिवारवाद को खारिज ही करेगा, लेकिन वास्तव में परिवारवाद भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है, उसे नकारा नहीं जा सकता। जहां तक आम सजग भारतीयों की बात है, उन्हें हमेशा युवाओं और अच्छे नेताओं की तलाश रही है। कोई भी राजनीतिक निर्माण या पुनर्निर्माण केवल जनाधार या जनहित के आधार पर ही होना चाहिए। अच्छा नेता या नेतृत्व वही होता है, जो जनमानस को समझते हुए अनुकूल निर्णय लेता है। भारत में जो भी पार्टियां हैं, उन्हें न केवल अपनी मजबूती, बल्कि प्रदेश-देश की राजनीति की मजबूती के बारे में भी सोचना चाहिए। राजनीति का साफ-सुथरा और आदर्श होना जरूरी है। जो भी दल सक्रिय हों, वे जनसेवा को समर्पित हों। साथ ही, इन दलों को अपने-अपने गठबंधन या मोर्चे या अपने राजनीतिक आधार का भी सही और तार्किक पता होना चाहिए।

स्वास्थ्य पर करो राजनीति, बनाओ मुद्दा

एक दशक से ज्यादा समय तक बीएसपी की राजनीति के बाद नरेंद्र मोदी ने विकास और अच्छे दिन का वादा किया। उन्होंने गुजरात मॉडल पूरे देश में बेचा। लेकिन उसमें भी स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं था। गुजरात की अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था कैसी है इसकी पोल कोरोना वायरस की महामारी के समय हाई कोर्ट में हुई सुनवाइयों से खुल गई है। कोरोना वायरस की महामारी ने पूरी दुनिया के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। अब दुनिया की राजनीति स्वास्थ्य और चिकित्सा के ईर्द-गिर्द घूम रही हैं। दशकों या सदियों तक मुख्यधारा में उपेक्षित रहा स्वास्थ्य का क्षेत्र ही अब राजनीति का केंद्र है। दुनिया के सभ्य और विकसित देशों में तो फिर भी लोगों का स्वास्थ्य राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रहा है लेकिन विकासशाली और अविकसित देशों में यह कभी भी राजनीतिक विमर्श का केंद्र नहीं रहा। भारत में पिछले तीन दशक में राजनीति जरूर बदली है लेकिन एकाध राज्यों को छोड़ दें तो राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य का मुद्दा चर्चा का केंद्र नहीं रहा है। पार्टियां लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करने के वादे नहीं करती हैं और न स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने का वादा किया जाता है।

तीन दशक पहले भारत में सामाजिक न्याय की राजनीति शुरू हुई थी। यह सीधे सीधे अस्मिता यानी पहचान की राजनीति से जुड़ी है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में जातिवादी राजनीति कहते हैं। कोई एक दशक तक सामाजिक न्याय की आक्रामक राजनीति के बाद इसमें थोड़ा बदलाव आया तो बीएसपी यानी बिजली, सड़क और पानी को राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाने का प्रयास हुआ। एक दशक से ज्यादा समय तक बीएसपी की राजनीति के बाद नरेंद्र मोदी ने विकास और अच्छे दिन का वादा किया। उन्होंने गुजरात मॉडल पूरे देश में बेचा। लेकिन उसमें भी स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं था। गुजरात की अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था कैसी है इसकी पोल कोरोना वायरस की महामारी के समय हाई कोर्ट में हुई सुनवाइयों से खुल गई है। सो, विकास की नरेंद्र मोदी की अवधारणा में भी स्वास्थ्य प्रमुख नहीं रहा है। लेकिन सोचें, कोरोना वायरस की महामारी के बीच पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच

पर बोलने का मौका मिला तो उन्होंने किस बारे में बात की! उन्होंने वन अर्थ, वन हेल्थ की बात की। जी-7 देशों के मंच के शिखर सम्मेलन में अतिथि के तौर पर शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पहले दिन के भाषण में वन अर्थ, वन हेल्थ की बात की और कहा कि दुनिया के देशों को एक साथ मिल कर कोरोना की महामारी का सामना करना होगा। इसी सम्मेलन में अपने दूसरे भाषण में प्रधानमंत्री ने वैक्सीन का मुद्दा उठाया और दुनिया के देशों से वैक्सीन का पेटेंट फ्री करने की मांग की। साथ ही बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े कारोबारी पहलुओं यानी ट्रिप्स में छूट देने की भी मांग की ताकि दुनिया के देशों को आसानी से वैक्सीन और कोरोना की दवाएं उपलब्ध हो सकें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले विश्व की सात बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के नेताओं ने भी इस शिखर सम्मेलन में ज्यादा समय स्वास्थ्य के मुद्दे पर ही बात की। सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्रिटेन पहुंचने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फाइजर की वैक्सीन की 50 करोड़ डोज खरीद कर दुनिया के गरीब देशों को बांटने का ऐलान किया। सम्मेलन की शुरूआत ही इसी बात से हुई। उसके बाद दुनिया के सात बड़े देशों ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति का मुद्दा उठाया और चीन की भूमिका को लेकर चिंता जताई। जी-7 देशों के नेता ब्रिटेन में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लुएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडेनॉम गैब्रिएसस से मिले और उनको वायरस की उत्पत्ति की जांच कराने को कहा। इसके बाद ही उन्होंने पारदर्शी जांच की जरूरत बताई और चीन से सहयोग की अपील की। ब्रिटेन रवाना होने से पहले बाइडेन ने अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को इसकी जांच करने और 90 दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। जी-7 देशों की बैठक में कुछ और चीजों को लेकर भी चर्चा हुई लेकिन मुख्य रूप से वायरस, वैक्सीन, दवा और लोगों की सेहत के मुद्दे पर विचार किया गया। सो, चाहे भारत हो या अमेरिका या दुनिया के दूसरे विकसित-अविकसित देश हों, सबके यहां अब राजनीति का मुख्य मुद्दा लोगों की सेहत, चिकित्सा व्यवस्था, चिकित्सा उपकरण, दवाएं आदि हैं। इसे स्वास्थ्य की राजनीति या चिकित्सा की राजनीति कह सकते हैं। वायरस की महामारी से इस राजनीति की शुरूआत हुई है और इसने विकास की पूरी अवधारणा को बदल दिया है। अब बिजली, सड़क, पानी या खातों में नकद हस्तांतरण और चमकते मॉल्स का निर्माण विकास का पैमाना नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सुविधाएं अब विकास का पैमाना हैं। ऑक्सीजन, अस्पताल, वेंटिलेटर, वैक्सीन, मास्क, सेनिटाइजर, दवा आदि अब राजनीति का मुद्दा हैं। याद करें आपने कब ये सारे शब्द राजनीतिक भाषणों में सुने हैं! पहले कभी ये बातें राजनीतिक या चुनावी भाषणों में सुनने को नहीं मिलती थीं। सामाजिक न्याय, विकास, अधिकारों की बातें होती थीं पर चिकित्सा उपकरणों, दवाओं, वैक्सीन आदि के नाम पर वोट मांगते कभी किसी को नहीं सुना गया। लेकिन वायरस ने चुनाव और राजनीति के पूरे विमर्श को बदल दिया। सामाजिक न्याय और अधिकारों की बजाय अब इंसानी जीवन बचाने का मुद्दा असली राजनीतिक मुद्दा हो गया है। किसने लोगों की जान बचाने के लिए सबसे बेहतर ढंग से काम किया यह नेताओं के आकलन का पैमाना बना है। हाल ही में हुए पांच राज्यों के चुनाव में यह देखने को मिला। केरल को फ्लिप स्टेट माना जाता है। वहां पिछले 50 साल से हर पांच साल पर सत्ता बदलती रही है। लेकिन इस बार यह परंपरा टूट गई। इस बार राज्य के लोगों ने सीपीएम के नेतृत्व वाली सरकार को लगातार दूसरी बार मौका इसलिए दिया क्योंकि सरकार ने और खास कर स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने कोरोना महामारी के खिलाफ शानदार काम किया था। लोगों की जान बचाने का ऐतिहासिक काम उन्होंने किया था। बाकी राज्यों में भी चुनाव नतीजों पर इस मुद्दे का कम या ज्यादा असर रहा।

अब कितनी होगी तैयारी?

आशंका यह है कि तीसरी लहर आई, तब भी उससे बचाव की तैयारियां आधी-अधूरी ही रहेंगी। स्वास्थ्यकर्मियों और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी बदस्तूर जारी रहेगी। हकीकत यह है कि स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों को लेकर समय-समय पर इसे लेकर हाय-तौबा मचती है, लेकिन फिर बातें पृष्ठभूमि में चली जाती हैं। कोरोना की दूसरी लहर अभी थमी नहीं है। इस बीच तीसरी लहर को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि देश में चिकित्सा तैयारियों को अब पुख्ता किया जा रहा है। बल्कि इस दिशा में कोई हल होने के संकेत नहीं है। आशंका यह है कि अगर तीसरी लहर आई, तब भी उससे बचाव की तैयारियां आधी-अधूरी ही रहेंगी। डॉक्टरों, पारामेडिकल स्टाफ और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी बदस्तूर जारी रहेगी। हकीकत यह है कि स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों को लेकर समय-समय पर इसे लेकर हाय-तौबा मचती है, जैसा कि महामारी की दूसरी लहर के दौरान देखने को मिला। लेकिन लहर कमजोर पड़ते ही वे बातें अब पृष्ठभूमि में चली गई हैं। नतीजा है कि असल हालत में कोई खास परिवर्तन नहीं आ रहा है। प्रश्न है कि आखिर इस देश में हेल्थ वर्करों की इतनी कमी क्यों है? फिर जितने भी डॉक्टर मौजूद हैं, क्या उन्हें पर्याप्त सुविधाएं दी गई हैं, जिनसे वे गांव- गांव तक इलाज पहुंचा सकें? ये कमी नई बात नहीं है। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) ने 2005 में ही ग्रामीण इलाकों में नियुक्त किए जाने वाले डॉक्टरों के लिए वेतन बढ़ाने, उनकी सेवानिवृति आयु बढ़ाने, उनकी पत्नी को उसी जगह पर योग्यतानुसार नौकरी देने, पति-पत्नी को एक जगह नियुक्त करने जैसी अनुशंसा की थी। लेकिन ज्यादातर राज्यों इन पर कोई काम नहीं हुआ। आईएमए 2006 से ही बराबर कहती रही है कि गांवों में तैनात किए जाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की बुनियादी सुविधा बढ़ाने पर ध्यान दिया जाए। मसलन, अस्पताल के नजदीक उनके आवास की व्यवस्था हो और उनके बच्चों को पढ़ने लिखने की सुविधा दी जाए। अगर ऐसा हो, तो गांवों में जो दुर्दशा इस बार दिखी, उसे एक हद तक रोका जा सकता है। आखिर अगर कोई डॉक्टर गांव जाकर इलाज नहीं करना चाहता, तो उसकी वजह यही है कि शहरी इलाकों सुविधाएं एक बड़ा आकर्षण है। लेकिन सिर्फ डॉक्टरों की तैनाती ही काफी नहीं है। अगर वहां अस्पताल और बुनियादी सुविधाएं ना हों, तो स्वास्थ्यकर्मी भी क्या कर लेंगे? इस बार जब शहरों में ऑक्सीजन और वेंटीलेटर जैसी आम चीजों को लेकर अफरा-तफरी मच गई, तो गांवों की बात तो करने का किसी के पास वक्त ही नहीं था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

टोरेंट कंपनी की लापरवाही से युवक हुआ हादसे का शिकार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अक्सर विवादों में रहने वाली टोरेंट कंपनी का फिर एक नया मामला प्रकाश में आया है। मामला यह है कि बाई पास से सटा हुआ इलाक सेनिक नगर परिसर में 2 मंजिला इमारत से गुजरता हुवा एस टी केबल का पोल झुक गया था, पोल झुकने से केबल इमारत की छत पर आ गया गिरते हुए केबल कि शिकायत टोरेंट कंपनी को की गई फिर भी कोई भी टोरंट का कर्मचारी 4 दिनों तक देखने नहीं आये और इस गिरे हुए 440 वॉट के केबल के चलते 22 वर्ष के युवक को हादसे का शिकार होना पड़ा और इस युवक की हालत बड़ी गंभीर बताई जा रही है। इस युवक की हालत का 200% जिम्मेदार इलाके के नगरसेवक शाह आलम टोरंट कंपनी को मानते हैं इनका कहना है कि जब हम 4 दिनों से लगातार टोरंट कंपनी को गिरते हुए केबल कि शिकायत कर रहे थे तो कोई भी टोरेंट का कर्मचारी क्यों नहीं आया, यह पूरी तरह से टोरेंट कंपनी की लापरवाही है और इसी लापरवाही के कारण यह जानलेवा हादसा हुआ है और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूँ और उन्होने कहा कि इस युवक का पूरा हर्जाना टोरेंट कंपनी को देना होगा। अगर टोरेंट कंपनी ने युवक को हादसा का हर्जाना नहीं दिया तो वह टोरेंट कंपनी पर केस करेंगे। यह सारी घटना से यह साफ नजर आ रहा है कि टोरेंट कंपनी के नाम बड़े हैं और दर्शन छोटे हैं यह टोरेंट कंपनी मुंब्रा शहर में काम करने में पूरी तरह से विफल रही है। इस कंपनी पर जबरन पुराने मीटर बिना सुचित बदलने मनमानी बिल नोटिस के साथ भेजना दादागिरी करना यह टोरेंट कंपनी का पेशा हो गया है, जब से मुंब्रा शहर में टोरेंट कंपनी को लाया गया है तब से शहर वासियों की नींद हो गया है, एक तो कोरोना की मार उस पर टोरेंट कंपनी का अत्याचार, अब कौन सुनेगा गरीब जनता की पुकार।

पत्नी के विवाद के चलते पति ने की आत्महत्या

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। संजय नगर परिसर में पति ने की आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ईश्वरचंद मिश्रा वर्ष 32 रहिवासी जे जी अपार्टमेंट 2 मंजिला मकान नंबर 202 शिवाजी चैक संजय नगर, यह व्यक्ति इस ईमारत में 3 महीने पहले ही आया था। स्थानीय लोगों से पता चला कि इन पति पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था और इसी विवाद के कारण पत्नी अपने मां के घर रहने चली गई। 13 जून रविवार शाम को काम पर से लैटने के बाद पत्नी से फोन पर हुआ झगड़ा से परेशान होकर पति ने घर के हुक में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस के पी एस आई हरशत काले ने लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए कलवा के शिवाजी अस्पताल में भेज दिया। आखिर क्यों पति ने आत्महत्या की है इसकी जांच पुलिस कर रही है। फिलहाल पड़ोसी ने पति की आत्महत्या का जिम्मेदार पत्नी को ठहराया है।

शोएब ने अपने परिवार के साथ मिलकर फैजल शेख पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कौसा श्रीलंका परिसर में जुबली अपार्टमेंट के पास 13 जून रविवार शाम को हुई खूनी वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैलाने का मामला प्रकाश में आया है। विश्वासनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह खूनी वारदात का कारण यह बताया जा रहा है कि शोएब और उसके परिवार वाले श्रीलंका परिसर में नशे का कारोबार करते हैं और यह इलाके में इनकी दादागिरी चलती है फैजल ने इन नशे के धंधा करने वाले लोगों के खिलाफ आवाज उठाने से शोएब ने अपने परिवार के साथ मिलकर फैजल युसूफ शेख पर तलवार से चोपर से पेट पर हाथ पैर पर वार कर दिया, घायल अवस्था में फैजल को करीब के बिलाल अस्पताल ले जाया गया, पुलिस केस की कारण फैजल को कलवा के शिवाजी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने शोएब और उस परिवार वालों के खिलाफ सी आर पी सी 307 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

अगर पुलिस एफ आईआर दर्ज करने से इनकार करती है तो आप क्या कर सकते हैं?

यदि कोई पुलिस अधिकारी प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार करता है क्योंकि मामला उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, एक ऐसे अपराध से निपटता है जो प्रकृति में असंज्ञेय है या इस तरह के अपराध का संज्ञान लेने की उनकी कानूनी क्षमता से बाहर है, ऐसी परिस्थितियों में इनकार एफआईआर दर्ज करना वैध और उचित है। हालांकि ऐसे मामलों में जहां प्राथमिकी दर्ज न करने का एक अनुचित कारण दिया जाता है, कोई भी कर सकता है: सीआरपीसी की धारा 154 (3) के तहत वह पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर सकता है और डाक द्वारा लिखित रूप में ऐसी जानकारी का सार प्रस्तुत कर सकता है। यदि पुलिस अधीक्षक संतुष्ट है कि ऐसी जानकारी से संज्ञेय अपराध का खुलासा होता है, तो वह स्वयं मामले की जांच कर सकता है या अपने अधीनस्थ किसी पुलिस अधिकारी द्वारा जांच करने का निर्देश दे सकता है। एक शिकायत मजिस्ट्रेट को मौखिक रूप से प्रस्तुत की जा सकती है या सीआरपीसी की धारा 200 के तहत लिखित में। शिकायत दर्ज करने के बाद, मजिस्ट्रेट संज्ञान के मुद्दे पर निर्णय लेते हुए सुनवाई करेगा। इस चैनल में, मजिस्ट्रेट के सामने मुखबिर और उसके गवाहों की शपथ ली जाती है। मंडमस उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए रिटों में से एक है, जो राज्य को उन्हें मजबूर करने के लिए एक आदेश के रूप में है। अपने सार्वजनिक कर्तव्य का पालन करें। भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 या अनुच्छेद 32 के तहत परमादेश की एक रिट दायर की जा सकती है, जिसमें पुलिस अधिकारियों को अपना कर्तव्य निभाने और प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

(पृष्ठ 1 का शेष)

हज आवेदन रद्द

सऊदी अरब में रहने वाले 60 हजार लोग इस बार हज यात्रा करेंगे। हज यात्रा 2021 को लेकर सऊदी अरब ने पिछले दिनों कहा था कि कोरोना वायरस महामारी के चलते इस साल 60 हजार से अधिक लोगों को हज की अनुमति नहीं होगी और वे सभी स्थानीय होंगे। सरकार द्वारा संचालित सऊदी प्रेस एजेंसी पर हज एवं उमरा मंत्रालय का हवाला देते हुए एक बयान में यह घोषणा की गई थी। बयान में कहा गया है कि इस साल हज जुलाई के मध्य में शुरू होगा। इसमें 18 से 65 साल की आयु के स्थानीय लोग हिस्सा ले सकेंगे। मंत्रालय ने कहा कि हज यात्रियों के लिए टीका लगवाना अनिवार्य है। बयान में कहा गया है कि सऊदी अरब ने हाजियों के स्वास्थ्य व सुरक्षा और उनके देशों की सुरक्षा के बारे में निरंतर विचार-विमर्श के बाद यह फैसला लिया है।

मुंबई में 12 लाख रुपये के मेफेड्रोन के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एएनसी की आजाद मैदान इकाई ने सोमवार शाम गोवंडी में निगम वार्ड कार्यालय के पास जाल बिछाया और मोहसिन कय्यूम सैयद (35) को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि उसके कब्जे से प्रतिबंधित मादक पदार्थ मेफेड्रोन और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि सैयद पर पिछले दो साल से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का संदिग्ध है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

उस्मानाबाद में पलटा ट्रक...

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि लोगों से लूटा हुआ माल वापस लाने के लिए पुलिस को दल बनाकर आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि घटना वाशी तहसील में तेरखेड़ा के लक्ष्मी पारधी पेड़ी के पास तड़के तीन बजे सोलापुर-औरंगाबाद राजमार्ग पर हुई। उन्होंने कहा, ट्रक में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, एलईडी, खिलौने और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान था। सामान सड़क पर गिरने के बाद राहगीर और ग्रामीण उसे लेकर जाने लगे और कुछ लोगों ने कंटेनर का दरवाजा काट दिया। स्थानीय पुलिस और दंगा नियंत्रण बल को बुलाना पड़ा। अधिकारी ने कहा कि कुछ गांव वालों ने पुलिस की अपील पर सामान लौटा दिया लेकिन बहुत से लोगों ने नहीं लौटाया जिसके बाद आसपास के क्षेत्रों में घेराबंदी कर लोगों से ट्रक का सामान वापस करने को कहा गया। पुलिस उपाधीक्षक मोतीचंद राठौड़ ने कहा, 70 लाख रुपये मूल्य का सामान की लूट हो सकती है और हमने अभी तक 40 प्रतिशत वापस कर लिया है और अधिक लोगों से सामान लौटाने को कहा जा रहा है।

लॉकडाउन में बुजुर्गों पर बढ़ा अत्याचार

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिक्रिया देने वालों मे से 82 प्रतिशत ने दावा किया कि मौजूदा कोविड-19 स्थिति के कारण उनका जीवन प्रभावित हुआ है। रिपोर्ट में पाया गया कि 73 प्रतिशत वृद्धों ने कथित तौर पर कहा कि उनके खिलाफ दुर्व्यवहार के मामले लॉकडाउन के दौरान और बाद में बढ़े हैं। उनमें से 61 प्रतिशत ने दावा किया कि परिवारों में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की तेजी से बढ़ती घटनाओं के लिए पारस्परिक संबंध मुख्य कारक थे। सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिक्रिया देने वाले 65 प्रतिशत बुजुर्गों को अपने जीवन में उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है जबकि लगभग 58 प्रतिशत वृद्धों ने कहा कि वे अपने परिवारों और समाज में दुर्व्यवहार का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि लगभग हर तीसरे बुजुर्ग (35.1 प्रतिशत) ने दावा किया कि लोग बुढ़ापे में घरेलू हिंसा (शारीरिक या मौखिक) का सामना करते हैं। फाउंडेशन के अध्यक्ष हिमांशु रथ ने कहा कि कोविड-19 और संबंधित लॉकडाउन और प्रतिबंधों ने लगभग हर इंसान को प्रभावित किया है, लेकिन बुजुर्ग अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अधिकांश बुजुर्गों को पारिवारिक देखभाल पर निर्भर रहना पड़ता है जो उन्हें कमजोर बनाता है। यह भी कहा गया कि दुर्व्यवहार, बड़े दुर्व्यवहार और उत्पीड़न मुख्य रूप से उनके संबंधित परिवारों के भीतर होते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सबसे बुरी तरह प्रभावित बुजुर्ग महिलाएं हैं, जिनकी खराब वित्तीय स्थिति, निर्भरता के स्तर में वृद्धि और बुजुर्ग पुरुषों की तुलना में लंबी उम्र उत्पीड़न के कारण हैं। बुजुर्गों को हो रही परेशानियों के साथ ही कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों की पीड़ा की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन इस बीमारी ने जिन बच्चों के सिर से उनके माता-पिता का साया छीन लिया, उनके दुःख और परेशानियों की थाह लेना असंभव है।

राज्य सरकार ले सकती है डोर टू डोर वैक्सीनेशन पर फैसला

संवाददाता

मुंबई। डोर टू डोर वैक्सीनेशन के लिए अब तक केंद्र सरकार द्वारा कोई पॉलिसी नहीं बनाई गई है और जो राज्य या मनपा दिव्यांग या बुजुर्ग लोगों का घर के द्वार पर टीकाकरण कर रहे हैं, वे पॉलिसी से इतर जाकर ऐसा कर रहे हैं। सोमवार को केंद्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि इस तरह की ड्राइव को राष्ट्रीय पॉलिसी का हिस्सा बनाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। बीएमसी ने असहाय लोगों को घर पर वैक्सीन देने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी थी। इस पर बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और जीएस कुलकर्णी की पीठ ने केंद्र को जवाब सौंपने को कहा था। बीएमसी द्वारा लिखे गए पत्र के जवाब में केंद्र सरकार के अधिवक्ता

ने कोर्ट को बताया कि इस तरह की ड्राइव के लिए जानकारों की सलाह लेना जरूरी है। कुछ राज्य और मनपाएं जरूर ऐसा कर रही हैं, लेकिन राष्ट्रीय दृष्टिकोण से राष्ट्रीय पॉलिसी का पालन करना जरूरी है। हालांकि, सिंह ने कहा कि पॉलिसी को वक्त के हिसाब से लगातार अपडेट किया जा रहा है और हो सकता है जल्द ही इस पर कोई फैसला लिया जाए।

राज्य सरकार की टीकाकरण योजना: महाराष्ट्र सरकार ने बुजुर्ग और असहाय लोगों के लिए घर के द्वारा पर टीकाकरण की योजना बनाई थी। केरल, ओडिसा, झारखंड और राजस्थान ऐसा कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार भी अन्य राज्यों की तरह फैसला ले सकती है। इस संबंध में जब बीएमसी से सवाल किया गया, तब उनका कोर्ट में जवाब था कि राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन किया जाएगा।

अगली सुनवाई 22 जून को होगी: राज्य सरकार की वकील गीता शास्त्री ने कोर्ट को बताया कि मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे डोर टू डोर वैक्सीनेशन के पक्ष में हैं, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय लिया जाना है। गौरतलब है कि वकील धृति कपाड़िया ने 75 वर्ष से ज्यादा आयु वाले नागरिकों के लिए घर पर वैक्सीनेशन की मांग करते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी। इस मामले में आगे की सुनवाई 22 जून को होगी।

लोजपा में बगावत

चिराग पड़े अकेले, पांच सांसदों ने अलग गुट बनाया, पारस को लोस अध्यक्ष की मान्यता

संवाददाता / नई दिल्ली

लोजपा के छह लोकसभा सदस्यों में से पांच ने सोमवार को पार्टी के मुखिया चिराग पासवान को संसद के निचले सदन में पार्टी नेता के पद से हटाने के लिए हाथ मिला लिया और उनकी जगह उनके चाचा पशुपति कुमार पारस को इस पद के लिए चुन लिया। इन पांच सांसदों से मुलाकात के वाद लोस अध्यक्ष ओम विरला ने लोजपा के संसदीय दल के नेता के तौर पर पशुपति कुमार पारस को मान्यता दे दी।

इससे पहले आज पारस ने विहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए उन्हें एक अच्छा नेता तथा विकास पुरुष वताया और इसके साथ ही पार्टी में एक वड़ी दरार उजागर हो गई, क्योंकि पारस के भतीजे चिराग पासवान जद (यू) अध्यक्ष के धुर आलोचक रहे हैं। हाजीपुर से सांसद पारस ने कहा, मैंने पार्टी को तोड़ा नहीं, वल्कि वचाया है। उन्होंने कहा कि लोजपा के 99 प्रतिशत कार्यकर्ता चिराग पासवान के नेतृत्व में विहार 2020 विधानसभा चुनाव में जद (यू) के खिलाफ पार्टी के लड़ने और खराव प्रदर्शन से नाखुश हैं। पारस ने कहा कि उनका गुट भाजपा नीत राजग सरकार का हिस्सा वना रहेगा और चिराग पासवान भी संगठन का हिस्सा वने रह सकते हैं। चिराग पासवान के खिलाफ हाथ मिलाने वाले पांच सांसदों के समूह ने पारस को सदन में लोजपा का नेता चुनने के अपने फैसले से लोकसभा अध्यक्ष को अवगत करा दिया है। हालांकि पारस ने इस संदर्भ में कोई टिप्पणी नहीं की।

नई दिल्ली : लोजपा में बगावत के बाद बैकफुट पर आए चिराग पासवान अपने चाचा पशुपति पारस से मिलने उनके राजधानी स्थित बंगले पर पहुंचे। करीब 20 मिनट की जद्दोजहद के बाद वह बंगले में प्रवेश कर पाए। हालांकि डेढ़ घंटे इंतजार के बावजूद उनकी चाचा से मुलाकात नहीं हो गाई।

पारस के पत्रकारों से वात करने के वाद चिराग पासवान राष्ट्रीय राजधानी स्थित उनके चाचा के आवास पर उनसे मिलने पहुंचे। पासवान के रिश्ते के भाई एवं सांसद प्रिंस राज भी इसी आवास में रहते हैं। पारस और प्रिंस के आवास पर करीव 90 मिनट तक रुकने के वाद चिराग पासवान वहां से मीडिया से वात किए विना ही चले गए। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों असंतुष्ट सांसदों में से उनसे किसी ने मुलाकात नहीं की। एक घरेलू सहायक ने वताया कि पासवन जव आए, तव दोनों सांसद घर पर मौजूद नहीं थे।

सूत्रों ने वताया कि असंतुष्ट लोजपा सांसदों में प्रिंस राज, चंदन सिंह, वीना देवी और महवूव अली कैसर शामिल हैं, जो चिराग के काम करने के तरीके से नाखुश हैं। 2020 में पिता रामविलास पासवान के निधन के वाद लोजपा का कार्यभार संभालने वाले चिराग अव पार्टी में अलग-थलग पड़ते नजर आ रहे हैं। उनके करीवी सूत्रों ने जनता दल (यूनाइटेड) को इस विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पार्टी लंवे समय से लोजपा अध्यक्ष को अलग-थलग करने की कोशिश कर रही थी, क्योंकि 2020 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ जाने के चिराग के फैसले से सत्ताधारी पार्टी को काफी नुकसान पहुंचा था।

- लोस अध्यक्ष की मान्यता के बाद पशुपति कुमार पारस बने लोजपा के संसदीय दल के नेता
- पांच सांसदों के समूह ने पारस को अपना नेता चुनने के फैसले से लोस अध्यक्ष को अवगत कराया
- पारस बोले, पार्टी को तोड़ा नहीं बल्कि उसको बचाया
- विस चुनाव में चिराग के फैसलों से कार्यकर्ता थे नाराज
- पारस बोले, चिराग पासवान भी संगठन का हिस्सा बने रह सकते हैं
- नीतीश विकास पुरुष, लोजपा आगे भी राजग के साथ बनी रहेगी

मुंबई: संपत्ति विवाद को लेकर व्यक्ति ने छोटे भाई की हत्या की

मुंबई। मुंबई के गोवंडी उपनगर के शिवाजी नगर इलाके में एक संपत्ति विवाद को लेकर मंगलवार तड़के 30 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके भाई ने कथित तौर पर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि असलम कुरैशी को उसके बड़े भाई अकरम ने अपना कमरा खाली करने के लिए कहा, जिससे जल्द ही दोनों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके दौरान अकरम ने असलम की चाकू मारकर हत्या कर दी। शिवाजी नगर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि अकरम मौके से फरार हो गया और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

'महाराष्ट्र में ग्रामीण विकास योजना के तहत 3.23 लाख घर तैयार'

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि राज्य ग्रामीण विकास विभाग की योजना के तहत पिछले साल नवंबर से तैयार हुए 3.23 लाख घरों से 15 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं। ठाकरे ने महा आवास अभियान-ग्रामीण का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य ग्रामीण विकास विभाग ने 100 दिन में आठ लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा था और इनमें से 3.23 लाख आवास पहले ही तैयार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों को भी योजना से लाभ हुआ क्योंकि उनके द्वारा प्रवर्तित 'घरकुल मार्ट' से निर्माण सामग्री खरीदी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मकानों का निर्माण पिछले साल 20 नवंबर से शुरू हुआ था और लाभार्थियों में भूमिहीन, निर्माण मजदूर आदि शामिल हैं।

अब ऑनलाइन मिलेगा लर्निंग लाइसेंस

वाहन पंजीकरण के लिए भी आरटीओ जाने की जरूरत नहीं

मुंबई। परिवहन विभाग ने सोमवार को महाराष्ट्र में दो ऑनलाइन सेवाओं की शुरूआत की। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपडेटेड प्रणाली 'सारथी 4.0' का उद्घाटन किया। इसमें वाहन पंजीकरण और लर्निंग लाइसेंस की सुविधा को ऑनलाइन कर दिया गया है। इस दौरान परिवहन मंत्री अनिल परब ने कहा कि दफ्तरों में भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए ऑनलाइन सेवाएं बहुत जरूरी हैं। राज्य में हर साल 15 लाख से अधिक लर्निंग लाइसेंस जारी होते हैं और 20 लाख से अधिक नए वाहन पंजीकृत होते हैं। इस काम में नागरिकों के लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। इससे करीब 200 अधिकारियों के कार्यभार को कम करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य में ऑनलाइन अधिक सेवाएं प्रदान करके आम जनता के समय, धन और श्रम को बचाने के प्रयास किए जाएं।

ऐसे मिलेगा लाइसेंस

- आवेदक परिवहन विभाग की वेबसाइट पर जाकर लर्निंग लाइसेंस के लिए खुद को रजिस्टर करेगा
- ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से निर्देशानुसार दस्तावेज जमा कराने होंगे
- निश्चित अवधि के बाद आवेदनकर्ता को ईमेल से लाइसेंस भेजा जाएगा
- इसे वेबसाइट पर दिए गए रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए डाउनलोड भी किया जा सकेगा
- इस प्रक्रिया में आधार नंबर महत्वपूर्ण होगा

ऐसे वाहन पंजीकरण

- वाहन के दस्तावेज वितरक द्वारा तैयार कर लिए जाएंगे
- फिर डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा
- इसके लिए आरटीओ ऑफिस जाकर दस्तावेज जमा कराने की जरूरत नहीं
- वाहन वितरक द्वारा टैक्स और शुल्क का भुगतान करते ही वाहन नंबर जारी कर दिया जाएगा

नवी मुंबई में रिश्तों का कत्ल

मामूली विवाद के बाद रिटायर्ड पुलिसकर्मी ने दो बेटों को गोली मारी, एक की मौत, दूसरा वेंटिलेटर पर

संवाददाता

मुंबई। नवी मुंबई में सोमवार देर रात एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी ने अपने दो जवान बेटों को गोली मार दी। इनमें से एक की मौत हो गई है और दूसरा, जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। शुरूआती जांच में वजह घरेलू कलह बताई जा रही है। जिंदा बचे बेटे की हालत भी गंभीर बनी हुई है। डॉक्टर्स ने गोली निकाल ली है, लेकिन अभी भी उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। ऐरोली के इंद्रावती अस्पताल में उसका इलाज जारी है। जांच में सामने आया है कि दोनों बेटे पिता से अलग रह रहे थे। तीनों के बीच अक्सर झगड़े की आवाजें पड़ोसियों ने सुनी थीं। नवी मुंबई पुलिस के मुताबिक, सोमवार देर रात भगवान पाटिल ने दोनों बेटों विजय और अजय को घर पर बुलाया और फिर से तीनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद पाटिल ने अपने बेटों पर चार गोलियां चलाईं। इसमें एक गोली कांच से टकराई और दो गोली बड़े बेटे विजय के

पेट में लगी। एक गोली छोटे बेटे को लगी है। दोनों को पड़ोसी पास के हॉस्पिटल में ले गए। इलाज के दौरान बड़े बेटे ने दम तोड़ दिया। गाड़ी की सर्विसिंग के पैसे को लेकर हुआ विवाद मामले की जांच करने वाले नवी मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 71 साल के रिटायर्ड पुलिस अधिकारी भगवान पाटिल और उनके बेटों के बीच गाड़ी की सर्विसिंग को लेकर विवाद शुरू हुआ था। इसके बाद नौबत पहले मारपीट तक आई और फिर उन्होंने अपनी पिस्तौल से 4 गोलियां चला दीं। वारदात के बाद आरोपी वहां से भागा नहीं। फिलहाल हमने उसे अरेस्ट कर लिया है।

महाराष्ट्र में कोविड-19 के 9,350 नए मामले आए, 388 मौतें हुईं, 15,176 लोग ठीक हुए

मुंबई। महाराष्ट्र में मंगलवार को कोरोना वायरस के 9,350 नए मामले आए, जिससे राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 59,24,773 हो गए, जबकि 388 और मौतें होने से राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर 1,14,154 तक पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के एक बयान में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में 15,176 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई, जिससे ठीक होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 56,69,179 हो गई।

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
fresh & easy
GENERAL STORE
SPECIALIST IN: DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

पेट्रोल मूल्यवृद्धि के विरोध में बहुजन मुक्ती पार्टी का धक्का मारो आंदोलन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण पेट्रोल, डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों से आम जनता, किसानों और मजदूर वर्ग की समस्याएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है क्योंकि उनका जीवन और अधिक कठिन हो गया है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा महंगाई को तुरंत कम किया जाना चाहिए और किसानों को उनकी उपज का उचित मौसमी मूल्य दिया जाना चाहिए। इसके लिए बहुजन मुक्ति पार्टी की ओर से आज आक्रामक प्रदर्शन किया गया।

15 जून मंगलवार को पूरे भारत में जिला कलेक्टर कार्यालय और तहसील कार्यालयों में आंदोलन किया गया। दोपहर करीब एक बजे आंदोलन शुरू हुआ। जयस्थंभ चौक से वाहन को कलेक्टर कार्यालय की ओर धकेल कर आंदोलन किया गया। इस आंदोलन में प्रतापदादा पाटिल (राज्य) प्रवक्ता बीएमपी), दिपाली इंगळे (पश्चिम विदर्भ अध्यक्षा) मनोज ठाकरे (जिल्हाध्यक्ष इचझ), विशाल वाकोडे (युवा आघाडी जिल्हाध्यक्ष इचझ), सुधीर सोनटक्के, विश्वजीत पडोळ, रवि मगर, प्रकाश धुरंधर, समाधान ताजने, गोपाल वाघमारे, अशोक इंगळे, सुशील इंगळे , पाटील मॅडम, रमेश खरे, सुष्मा जाधव, मेंढे ताई, प्रिती धुरंधर ताई, दिपाली जाधव, योगेश कांबळे, अक्षय गायकवाड ने सक्रिय भाग लिया।

तेंदुआ के हमले में किसान गंभीर रूप से जख्मी

बुलडाणा। किसानों और तेंदुए के बीच लडाई की दिल दहला देने वाली घटना अंतरी बोराखेड़ी गांव के टाकली शिवरा में मंगलवार 15 जून को सुबह 7 बजे हुई.तेंदुए से बचाव करने में किसान जंखमी हो गया। और ईसका जिला सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना की जानकारी के अनुसार फिलहाल बुवाई जोरों पर है। इसलिए किसान गजानन जगदेव नागोलकर सुबह करीब सात बजे अपने खेत पर गए थे। उसके खेत के धुएँ पर एक नाले में 40 से 50 फीट गहरी गुफा जैसी गुहा है। कहा जाता

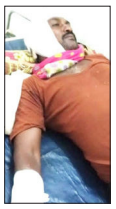

है कि तेंदुआ अपने बच्चे के साथ बैठा था। इसी बीच गजानन नागोलकर वहा से जा रहा था अचानक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले मे किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गंभीर चोटें हैं। किसान ने बहादुरी से तेंदुए के साथ दो हाथ किया लेकिन वह खुद घायल हो गयाहो गया। और उसका इलाज बुलडाणा जिला अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों ने इस घटना की सूचना वन विभाग को दी और अधिकारी गांव पहुंच गए हैं। ग्रामीण ने तेंदुए को जेरबंद करने की मांग कर रहे हैं।

राजस्थान हलचल

राजसमन्द अपडेट, चेयरमैन शराफत हुसैन फौजदार ने रास्ट्रीय अध्यक्ष ईमरान प्रतापगढ़ी से की मुलाकात

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद। राजसमंद जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष शराफत हुसैन फौजदार ने ऑल इंडिया कांग्रेस माइनॉरिटी विभाग के नवनियुक्त अध्यक्ष विश्व विख्यात शायर इमरान प्रतापगढ़ी से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन आबिद कागजी सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली पर स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर भव्य इस्तकबाल किया। इस दौरान भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इकबाल काजी, पूर्व कार्यालय सचिव इरफान पठान, फारुख मंसूरी जिला संगठन महामंत्री सहित राजस्थान से बड़ी संख्या में गए पदाधिकारियों

के एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित प्रतापगढ़ी के निवास पर जाकर भव्य स्वागत किया और भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष ने मेमोरेंडम भेंट किया। इस दौरान राजसमंद जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के निवर्तमान चेयरमैन एडवोकेट शराफत हुसैन फौजदार ने राजसमंद जिले के बारे में माइनॉरिटी विभाग के कार्यों की जानकारी दी। इसी प्रकार सभी जिलों के मौजूद जिला अध्यक्षों ने भी स्वागत करते हुए चर्चा की एवं राजस्थान यात्रा हेतु अनुरोध किया। जिस पर प्रतापगढ़ी ने कोरोना के हालात सामान्य होने पर अतिशीघ्र राजस्थान यात्रा कार्यक्रम का विश्वास दिलाया. इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती के लिए काम करके पार्टी व संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। श्री इमरान प्रतापगढ़ी ने स्वागत हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

बस अड्डे पर आस पास की झाड़ियां काट कर सफाई अभियान किया गया व पंछियों के लिए लटकाए गए बर्तनों में पानी डालने की सेवा की गई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। समाजसेवी संस्था मानव सेवा समिति द्वारा समाज भलाई के अनेक प्रकार के सेवा कार्य किए जा रहे हैं जिसके तहत आज संस्था के सेवादारों द्वारा गांव डंगर खेड़ा के बस अड्डे पर आस पास की झाड़ियां काट कर सफाई अभियान किया गया तथा पंछियों के लिए लटकाए गए बर्तनों में पानी डालने की सेवा की गई। जानकारी देते हुए संस्था के सेवादार सुभाष मानव ने बताया की गांव डंगर खेड़ा में हर अमावस पर बसंती माता के मंदिर में मेला लगता है जिसमें काफी दूर-दूर से लोग दर्शनों के लिए आते हैं, इसी

बात को ध्यान में रखते हुए आज की सेवा के संस्था की प्रधान सुनीता देवी की अगुवाई में शाखा डंगरखेड़ा के सेवादारों द्वारा अभियान चला कर गांव डंगर खेड़ा के बस अड्डा पर सेवादारों दास सुभाष मानव, सुमित कुमार, बलविंदर कुमार, ओम जी राष्ट्रीय छवि, सुरेंद्र कुमार, धर्मपाल, कार्तिक, अंकिता, प्रीति, सुनीता देवी, आकांक्षा देवी और ज्योति देवी द्वारा बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाकर सफाई सेवा की गई तथा पंछियों के लिए लटकाए गये बर्तनों में पानी डालने की सेवा की गई। सेवादार श्री सुभाष मानव ने बताया कि शारीरिक मेहनत करने से इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होता है जिससे कोरोना तथा अन्य बिमारियों से बचने के लिए मदद मिलती है। हमें अपने घर और आसपास के इलाके को साफ सुथरा रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए ताकि वातावरण में भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन मिलती रहे।

समस्तीपुर हलचल

अवधेश राय ने पुलिस अधीक्षक से जान माल की सुरक्षा का लगाया गुहार

समस्तीपुर। मुफस्सिल थाना क्षैत्र के धरमपुर, वार्ड 11 निवासी निवासी अवधेश राय ने पुलिस अधीक्षक, डीजीपी, को डाक द्धारा भेजे गए आवेदन में लिखा है की उनके पुत्र गौतम कुमार को दिनांक 08.06.2021 को अपहरण कर मार पीट किया गया। अपने पूत्र का ईलाज समस्तीपुर सदर असपताल में

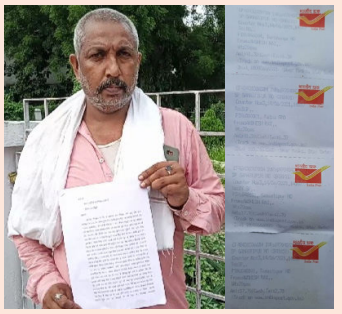

कराते रहे। उन्होंने अपने गांवों के ही राज रौशन व अन्य पर इस घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। अवधेश राय ने आवेदन में लिखा है की दिनांक 13.06.2021 को इस घटना की सूचना मुफस्सिल थाना में आवेदन के द्धारा किया गया था। उक्त आवेदन की जानकारी मिलने पर राज रौशन एवं अन्य लोगो ने 13.06.2021 को संध्या 7.30 बजे मेरे घर पर दुबारा तोड़फोड़ किया एवं जान मरने की धमकी दिया, मेरे गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। अवधेश राय ने बताया की राज रौशन पर पहले से भी कई केस दर्ज है। मुफस्सिल थाना में उनके आवेदन पर कारवाई नहीं होते देख अवधेश राय ने पुलिस अधीक्षक को डाक द्धारा आवेदन प्रेषित किया है। उन्होंने ने पुलिस अधीक्षक से अपने जान व माल.की सुरक्षा की गुहार लगाया है। आवेदन की छायाप्रति डीजीपी एवं आई जी को भी डाक द्वारा प्रेषित किया है।

वारिसनगर थाना क्षेत्र में गढ्ढे में डूबने से हुई युवक की मौत

समस्तीपुर। वारिसनगर थाना क्षेत्र के रायपुर पंचायत स्थित चंदौली चौक से सटे चिड़यारी के पास मंगलवार की दोपहर पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंदौली वार्ड संख्या 8 निवासी स्व0 बालेश्वर पासवान का 35 पुत्र रामबाबु पासवान के रूप मे की गई है। युवक की डूबने

की सूचना पर लोगों की भाड़ी भीड़ जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार युवक कहीं जा रहा था। इसी बीच पैर फिसल गया और वह पानी भरे गढ्ढे में चला गया। इधर मवेशी के लिए घास काट रही महिला ने उसे डुबते देखी तो शोर मचाई। शोर सुनकर लोग उक्त स्थल के पास जुटे। कुछ लोगों द्वारा पानी में घुसकर उसे खोजने लगे लेकिन शव नहीं मिला। इधर सूचना मिलते ही सीओ कमल कुमार व सअनि जनार्दन पासवान पुलिस बल के साथ घटना स्थल पंहुच गये। उसके बाद मछुआरे को बुलाकर जाल के माध्यम से शव की खोज करने लगे। करीब एक घंटे बाद जाल के माध्यम से उसके शव को पानी से बाहर निकाला गया। इधर मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने शव को अपने कब्जे में लेकर को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

रामपुर हलचल

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीजों की देख रेख के लिए नहीं है खास व्यवस्था

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीजों की देखरेख हेतु नहीं है कोई खास व्यवस्था, मारपीट जैसे केसों पर उनको लूटा जाना, बाद में मरीज का रेफर कर देना गर्भवती महिलाओं के साथ अभद्रता का रवय्या अपनाया जाना, विभागीय सांठ गांठ के चलते भृष्ठाचारी को बढ़ावा देना,30 राय्याओं वाला अस्पताल मात्र बना हुआ है शो पीस का केन्द्र, रेवीज तक के इन्जेक्शन भी नहीं हो पाते हैं उपलब्ध, गम्भीर अवस्था के चलते मरीज को ले जाना पड़ता हैं बाहर नगर के सामुदायिक केन्द्र में सांठ गांठ के चलते अपना मनमाना रवय्या अपना कर मारपीट आदि के केस को लेकर तुरन्त हालात को देख कर फौरी तौर से बाहर रेफर करने के लिए कह दिया जाता हैं बाद में अस्पताल के कर्मी पीड़ित के परिवार वालों से मिलकर एवं उनसें सांठ गांठ कर केस को हाई फाई अमला पहनाने के नाम पर पाठ पढ़ाकर सिम्पल ऐंजरी के परिवार वालों से मिलकर10 से15 हजार रुपए की ठगी मार कर धन ऐंठ लिया जाता हैं बाद में उसी मरीज को जिला मुख्यालय रेफर कर दिया जाता हैं भृष्टाचार को खुलेआम अन्जाम देकर मरीजों को खरी खौटी सुनाकर मरीज व मरीज के परिवार वालों के साथ कोई भी अच्छा बर्ताव तक नहीं किया जाता हैं मरीज को इधर उधर भटकने के उपरान्त आपात कालीन सेवा तक उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं गर्भवती महिलाओं के साथ भी कोई खास तवज्जों न देकर मरीज के साथ अभ्रदता का मामला अपना कर प्रताड़ित कर धन की उगाही कर ली जाती हैं 30 शय्याओं वाला अस्पताल मात्र शोपीस बना हुआ है गम्भीर अवस्था में किसी भी व्यक्ति को कुत्ते के काट लेने पर रेवीज इन्जेक्शन भी उपलब्ध नहीं हो पाता है विवश होकर मरीज को प्राइवेट तरीके से इन्जेक्शन लगवाये जाने पर मजबूर होना पड़ता हैं कोई भी सुविधा मरीजों से सम्बंधित उपलब्ध नहीं हो पाती हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अन्दर जितने भी मरीजों से सम्बंधित भर्ती वार्ड हैं वह गन्दगी की भरमार के चलते अधिक्तर खाली पड़े रहते हैं भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव ने प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री जी को एक पत्र प्रेषित कर शीघ्र सभी शिकायतों का निस्तारण किये जाने की मांग की गई हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरे के तिल हटाने के लिए अपनाएं ये तरीके!

तिल चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाता है लेकिन बहुत ज्यादा तिल चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने की बजाय कम कर देता है। चेहरे पर ज्यादा तिल होने पर लड़कियां बहुत परेशान रहती है और इसे हटाने के लिए कई ट्रीटमेंट करवाती है। अगर आप चाहें तो कुछ घरेलू उपाय करके भी तिलों को हटाया जा सकता है। आज हम आपको घरेलू उपाय बताएंगे, जिससे आप चेहरे पर मौजूद तिलों को हटा सकते हैं।

1. अनानास

अनानास में एसिडिक गुण पाए जाते हैं। तिल हटाने के लिए रोज अनानास का जूस दिन में 2-3 बार चेहरे पर लगाएं।

2. कच्चा आलू

कच्चे आलू का इस्तेमाल करने से चेहरे पर निखार आता है। तिल हटाने के लिए कच्चे आलू को चेहरे पर रगड़े। आप चाहें तो इसका पेस्ट बना कर लगा सकते हैं।

3. सेब का सिरका

तिल हटाने के लिए रात को सेब के सिरके से चेहरे की मसाज करें। सुबह चेहरा धोंले। कुछ दिनों में ही तिल हल्के पड़ जाएगे।

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी टिप्स

आजकल भागदौड भरी जिन्दगी में सेहत का ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां हो जाती हैं और दवाइयों का भी इस पर असर नहीं पड़ता। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए कुछ टिप्स भी अपनाएं जा सकते हैं। जिससे आप सेहत से जुड़ी बहुत सी दिक्कतों से राहत पाई जा सकती है।

- मुंह के छाले ठीक न हो रहे हो तो इलायची के पाऊडर में शहद मिलाकर 3-4 बार लगाएं।
- मोटापे से परेशान है तो नारियल खाएं। इसमें फैट बहुत कम होता है।
- बॉडी पर सूजन है तो गुड़हल के फूल को पेस्ट बनाकर लगाने से सूजन कम हो जाती है।
- बच्चे को सर्दी जुखाम हो तो तुलसी का रस और अदरक के रस में शहद मिलाकर खाने से राहत मिलती है।
- सर्दियों के कारण पैरों की ऊंगुलियों में सूजन आ जाए तो मटर को पीसकर काढा बनाकर उसमें सरसो का तेल डाल लें और इससे ऊंगुलियां धोएं इससे फायदा मिलता है।
- पाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी हो तो पान का पत्ता चबाएं। इससे पाचन प्रक्रिया दुरूस्त होती है।
- आंखों की रोशनी कमजोर हो तो लोबिया के हरे बीजो को गुड के साथ खाने से लाभ होता है।
- बुखार न उतर रहा हो तो मौसंबी के जूस में पीसी सौफ और शक्कर मिलाकर पिएं।
- दस्त से परेशान है तो दही में जीरा पाऊडर डालकर खाएं।

पैरों में छाले पड़ने पर अपनाएं यह तरीका !

कई बार नए या टाइट जूते पहनने पर पैरों में छाले हो जाते हैं। छाले देखने में काफी भद्दे होते है और पैरों में दर्द होती है। इसके अलावा छाले पड़ने के और भी कई कारण हो सकते हैं। छालें पड़ने पर चलने में परेशानी होती है और आपको अजीब सी बैचेनी होती है। कुछ लोग छाले को फोड़ देते हैं जिससे अंदर का तरव पदार्थ निकल जाता है। वहीं डॉक्टरों का मानना है कि छाला बड़ा होने पर उसे फोड़ देना चाहिए। फोड़ने से जल्दी ठीक हो जाता है। आज हम आपको छालों को ठीक करने का तरीका बताने जा रहे हैं।

- सबसे पहले छाले को फोड़ने के लिए एक साफ ब्लेड या सुई का इस्तेमाल करें। छाले को किनारे से सुई दबा कर फोड़े और द्रव निकालें।
- छाला फूट जाने पर छीलें न। अब उस पर बैंडेज लगाए। रात को सोने से पहले बैंडेज को उतार दें ताकि वो सूख जाएं।

- छालों में बने द्रव निकालने से उनके बढ़ने का खतरा कम हो जाता है।
- डायबिटीज के मरीजों को छालों को खद ठीक नहीं करना चाहिए। छालें होने पर डॉक्टर की सलाह लें।

बैड पर लेटकर करें एक्सरसाइज,वजन पर रखें कंट्रोल

व्यायाम एक ऐसा जरिया है, जो हमे बड़ी से बड़ी बीमारी से दूर रखता है और शरीर को उम्र भर के लिए स्वस्थ रखता है। कई लोग ऐसे होते है, जो दवाईयों का सेवन करने से बचते है। ऐसे में उन लोगों के लिए योग सबसे अच्छा ऑप्शन है। अगर आप अपने वजन को कंट्रोल करना चाहते है तो एक्सरसाइज आपके लिए बहुत ही जरूरी है। आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताएंगे, जिसको आप सुबह-सुबह अपने बेड पर लेटे-लेटे कर सकते हैं और अपना वजन घटाने साथ-साथ कई परेशानियां दूर कर सकते है।

सुपरवुमन एक्सरसाइज: इस एक्सरसाइज पेट के बल लेटकर अपने दोनों पैरों और हाथों को सीधा कर खुद को ऊपर की तरफ खीचें। ये छोटी-सी एक्सरसाइज आपके हाथों, कंधों, टांगों, पैरों और कमर को स्ट्रेच करती है।

बो पोज: इसमें उलटा लेकर घुटनों को ऊपर की तरफ मोड़ें और हाथों को पीछे ले जाते हुए पकड़ें। इससे तनाव और थकान दूर होती है। साथ ही पीरियड्स में आराम मिलता है।

3. ऐब प्रेप एक्सरसाइज: इस एक्सरसाइज को रोजाना करने से मोटापा कम होता है। इस एक्सरसाइज को 2 मिनट के लिए करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत को बड़ा झटका

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपने पासपोर्ट रिन्यूवल के लिए पासपोर्ट ऑफिस को निर्देश दिए जाने की याचिका दाखिल की थी। मंगलवार 15 जून को इस मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने इस मामले में फिलहाल कोई भी राहत दिए जाने से इनकार कर दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 जून को होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कंगना रनौत की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐक्ट्रेस ने गलत याचिका दाखिल की है। हाई कोर्ट ने कहा कि जब पासपोर्ट की मियांद खत्म हो रही है तब आखिरी समय में याचिका क्यों दाखिल की गई है? इसके बाद कोर्ट ने कंगना को दोबारा नए तरीके से याचिका दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई को 25 जून तक के लिए टाल दिया है। बता दें कि कंगना रनौत के पासपोर्ट की मियांद सितंबर 2021 में खत्म हो रही है। उन्हें 15 जून से 20 अगस्त 2021 तक हंगरी के बुडापेस्ट में अपनी फिल्म 'धाकड़' की शूटिंग के लिए जाना था। पासपोर्ट ऑफिस ने कंगना के पासपोर्ट को रिन्यू करने के लिए कोर्ट के निर्देश की मांग की है क्योंकि उनके ऊपर समुदायों में नफरत फैलाने, सांप्रदायिका फैलाने, आपत्तिजनक ट्वीट करने और राजद्रोह का मामला चल रहा है।

अक्षय कुमार एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार

एक बार ऐश्वर्या राय के साथ 'एक्शन रीप्ले' में 70 के दशक का फैशन बड़े परदे पर सजा चुके अक्षय कुमार अब 80 के दशक का एक्शन बड़े परदे पर आजमाने जा रहे हैं। दरअसल, हाल ही में फिल्म 'बेलबॉटम' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया। खिलाड़ी कुमार की इस नई मूवी का ऐलान के साथ ही फिल्म की रिलीज को लेकर लगातार चली आ रही अटकलों पर भी विराम लग गया है। रंजीत एम तिवारी निर्देशक में बनी फिल्म 'बेलबॉटम' में अक्षय के साथ एक दो नहीं बल्कि तीन अभिनेत्रियां वाणी कपूर, लारा दत्ता और हुमा कुरैशी साथ में है। जबकि, फिल्म के निर्माताओं की लिस्ट में शामिल हैं, वाशू भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख, मोनीशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी। दरअसल फिल्म 'बेलबॉटम' की रिलीज को लेकर काफी समय से अटकले लगाई जा रही हैं। इस फिल्म को पहले इसी साल अप्रैल के महीने में सिनेमाघरों पर रिलीज किया जाना था। लेकिन देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर में लागू हुए लॉकडाउन की वजह से फिल्म की डेट को आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया। बता दें, फिल्म इंडस्ट्री के लोगों की नजरें इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्मों पर ही टिकी हैं, क्योंकि एक्टर की पूरी पांच फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। फिलहाल इन फिल्मों की रिलीज की शुरूआत में सबसे पहले नंबर पर फिल्म 'बेलबॉटम' है।

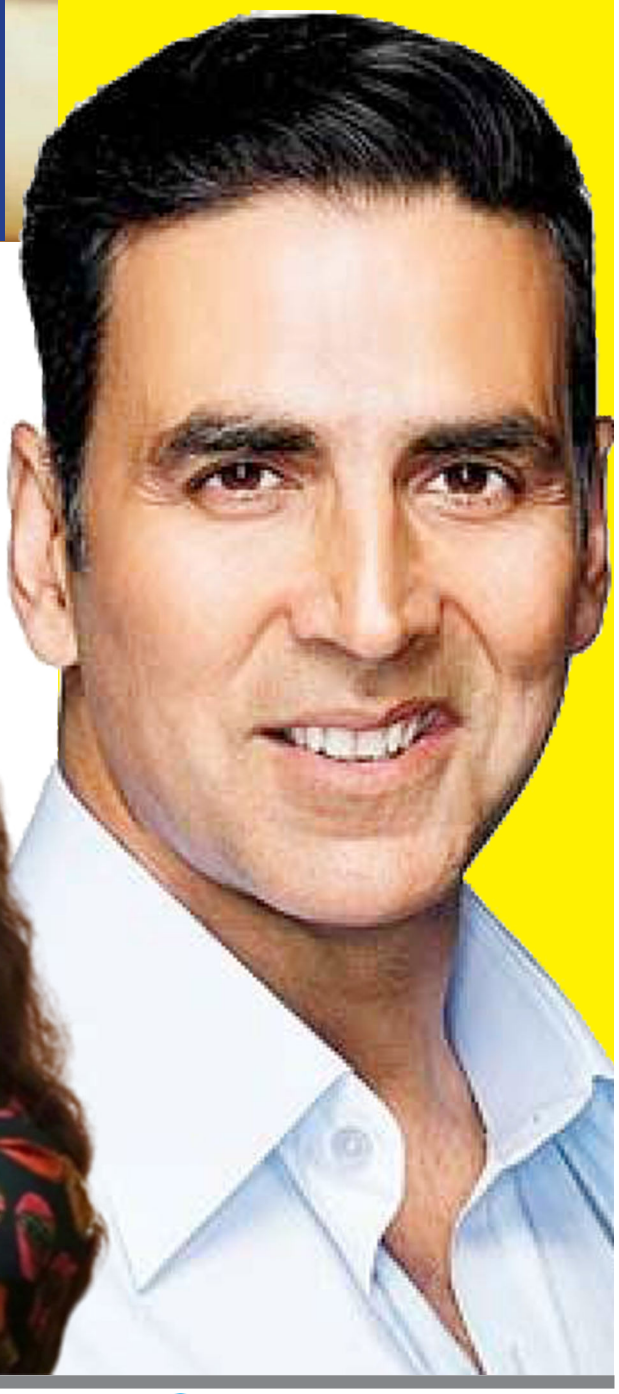

सतीश कौशिक ने किया था प्रेगनेंट नीना गुप्ता को प्रपोज

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस नीना गुप्ता आजकल केवल अपनी फिल्मों को लेकर नहीं बल्कि अपनी ऑटोबायॉग्रफी 'सच कहूं तो' को लेकर काफी चर्चा में हैं। नीना गुप्ता ने इस किताब में खुद से जुड़े बहुत से दिलचस्प खुलासे किए हैं। नीना के बारे में बहुत सी बातें ऐसी हैं जो इस किताब के आने से पहले लोग जानते ही नहीं थे। ऐसा ही एक दिलचस्प खुलासा नीना गुप्ता ने अपने को-ऐक्टर रहे सतीश कौशिक के बारे में किया है। नीना गुप्ता ने बताया है कि जब वह क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स की बेटी मसाबा गुप्ता को जन्म देने वाली थीं उससे पहले सतीश कौशिक ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था। सतीश कौशिक ने नीना के प्रेगनेंट होने के बावजूद उनसे शादी की इच्छा जताई थी। नीना ने बताया कि सतीश ने तब कहा था कि अगर उनका बच्चा डार्क स्किन का पैदा होता है तो शादी के बाद वह यह कह सकेंगी कि यह सतीश कौशिक का बच्चा है। हालांकि नीना ने सतीश के ऑफर को ठुकरा दिया था।